CBSE Class 12 Economics Important Questions Chapter 4 पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धांत

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
वस्तु की माँग मात्रा में वृद्धि होने पर तथा उसी वस्तु की पूर्ति मात्रा में कमी होने पर संतुलन कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
संतुलन कीमत में वृद्धि होगी।

प्रश्न 2.
साम्य (या संतुलन) कीमत की परिभाषा दीजिये।
उत्तर:
बाजार माँग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित कीमत साम्य कीमत कहलाती है।

प्रश्न 3.
आगम को परिभाषित कीजिए।
उत्तर:
फर्म द्वारा उत्पादन बेचने से प्राप्त राशि आगम कहलाती है।

प्रश्न 4.
पूर्ति से क्या आशय है?
उत्तर:
बाजार में किसी निर्धारित समय पर विभिन्न कीमतों पर बिकने हेतु प्रस्तुत मात्रा पूर्ति कहलाती है।

प्रश्न 5.
बाजार पूर्ति क्या है?
उत्तर:
बाजार में सभी फर्मों द्वारा विभिन्न कीमतों पर बेचे जाने वाली मात्रा।

प्रश्न 6.
पूर्ति वक्र के दायीं ओर खिसकने का एक कारण बताओ।
उत्तर:
प्रौद्योगिकीय प्रगति।

प्रश्न 7.
व्यक्तिगत फर्मों के पूर्ति वक्रों को समूहित करके कौनसा पूर्ति वक्र प्राप्त किया जाता है?
उत्तर:

बाजार पूर्ति वक्र।

प्रश्न 8.
एक फर्म द्वारा वस्तुओं के उत्पादन तथा विक्रय करने के पीछे सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य क्या है?
उत्तर:
लाभ को अधिकतम करना।

प्रश्न 9.
पूर्ण प्रतिस्पर्धा में सभी फर्मे किस प्रकार की वस्तुओं का विक्रय करती हैं?
उत्तर:
समरूप वस्तुएँ।

प्रश्न 10.
पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म कीमत स्वीकारक होती है अथवा कीमत निर्धारक होती है?
उत्तर:
कीमत स्वीकारक।

प्रश्न 11.
पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार की कोई एक विशेषता बताइए।
उत्तर:
बाजार में प्रत्येक फर्म समान कीमत लेती है।

प्रश्न 12.
एक फर्म के कुल संप्राप्ति वक्र का ढाल किस प्रकार का होता है?
उत्तर:
धनात्मक ढाल।

प्रश्न 13.
यदि फर्म का निर्गत शून्य हो तो कुल संप्राप्ति कितनी होगी?
उत्तर:
शून्य।

प्रश्न 14.
औसत संप्राप्ति ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
उत्तर:

$$\text{औसत संप्राप्ति} = \frac{\text{कुल संप्राप्ति}}{\text{कुल निर्गत}}$$

प्रश्न 15.
सीमान्त संप्राप्ति ज्ञात करने का सूत्र बताइए।
उत्तर:

$$\text{सीमान्त संप्राप्ति} = \frac{\text{कुल संप्राप्ति में परिवर्तन } (\Delta TR)}{\text{निर्गत मात्रा में परिवर्तन } (\Delta q)}$$

प्रश्न 16.
लाभ ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

लाभ = कुल संप्राप्ति - कुल लागत

प्रश्न 17.
कुल संप्राप्ति से आपका क्या अभिप्राय
उत्तर:
एक फर्म द्वारा बाजार कीमत पर अपना उत्पादन बेचने
से प्राप्त धन को कुल संप्राप्ति कहा जाता

प्रश्न 18.
कुल संप्राप्ति वक्र क्या है?
उत्तर:
एक फर्म का कल संप्राप्ति वक्र इसकी कुल संप्राप्ति तथा इसके निर्गत के बीच सम्बन्ध दर्शाती है।

प्रश्न 19.
पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म की कीमत रेखा तथा माँग वक्र में क्या सम्बन्ध होता है?
उत्तर:
पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म की कीमत रेखा तथा माँग वक्र एक ही होता है।

प्रश्न 20.
पूर्ण प्रतिस्पर्धा में एक फर्म का माँग वक्र कैसा होता है?
उत्तर:
पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में एक फर्म का माँग वक्र पूर्णतया लोचदार होता है।

प्रश्न 21.
औसत संप्राप्ति का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
कुल संप्राप्ति में निर्गत की मात्रा का भाग देने से प्राप्त संप्राप्ति को औसत संप्राप्ति कहते हैं।

प्रश्न 22.
सीमान्त संप्राप्ति को परिभाषित कीजिए।
उत्तर:
यह फर्म के निर्गत में प्रति इकाई वृद्धि के लिए कुल संप्राप्ति वृद्धि के रूप में परिभाषित की जाती

प्रश्न 23.
एक फर्म द्वारा लाभ अधिकतम होने हेतु पूरी होने वाली कोई दो शर्ते बताइए।
उत्तर:

- बाजार कीमत सीमान्त लागत के बराबर होनी चाहिए।
- सीमान्त लागत ह्रासमान नहीं होनी चाहिए।

प्रश्न 24.
सामान्य लाभ से आपका क्या अभिप्राय
उत्तर: वह लाभ स्तर जो केवल स्पष्ट लागतों तथा अवसर लागतों को पूरा कर सके।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
बाजार पूर्ति को एक तालिका के माध्यम से समझाइये।
उत्तर:
बाजार पूर्ति में वस्तु की कीमत एवं पूर्ति की मात्रा में धनात्मक सम्बन्ध पाया जाता है जिसे निम्न तालिका से स्पष्ट किया जा सकता है।

वस्तु की कीमत	पूर्ति की मात्रा
1	2
2	4
3	7
4	9

प्रश्न 2.
पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार के कोई दो लक्षण लिखिए।
उत्तर:

1. इसमें बाजार में अनेक क्रेता एवं विक्रेता होते हैं।
2. इसमें बाजार में समान कीमत पर समरूप वस्तुओं का विक्रय किया जाता है।

प्रश्न 3.
यदि माँग और पूर्ति दोनों में कमी हो तो -संतुलन कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
यदि मांग एवं पूर्ति में समान कमी हो तो कीमत स्थिर रहेगी, यदि मांग पूर्ति की तुलना में अधिक कम हो तो कीमत में कमी होगी तथा यदि पूर्ति मांग की तुलना में अधिक कम हो तो कीमत में वृद्धि होगी।

प्रश्न 4.
उत्पादक के संतुलन की कोई दो सामान्य शर्त बताइए।
उत्तर:

1. बाजार कीमत, सीमान्त लागत के बराबर हो।
2. सीमान्त लागत हासमान नहीं हो।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5.
पूर्ति वक्र क्या है? इसका ढाल कैसा होता है?
उत्तर:
वह वक्र जो किसी निर्धारित समय पर कीमत तथा पूर्ति की मात्रा के सम्बन्ध को दर्शाता है। सामान्यतः पूर्ति वक्र ऊपर की ओर उठा हुआ होता है।

प्रश्न 6.
संतुलन कीमत से आप क्या समझते हैं? यह कैसे निर्धारित होती है? ।
उत्तर:
संतुलन कीमत वह है जो बाजार माँग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है। यह वहाँ निर्धारित होती है जहाँ बाजार माँग एवं पूर्ति दोनों बराबर होती हैं।

प्रश्न 7.
तकनीकी प्रगति का वस्तु की पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
तकनीकी प्रगति के फलस्वरूप कम लागत पर अधिक उत्पादन संभव हो पाता है अत: वस्तु की पूर्ति बढ़ जाएगी एवं पूर्ति वक्र दाहिनी ओर शिफ्ट हो जाएगा।

प्रश्न 8.
यदि साइकिलों का उत्पादन करने वाली फर्म के लिए सरकार उत्पादन शुल्क बढ़ा देती है, तो साइकिलों की पूर्ति पर दीर्घकाल में क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर:
उत्पादन शुल्क बढ़ाने से साइकिलों की उत्पादन लागत बढ़ जाएगी जिससे दीर्घकाल में साइकिलों की पूर्ति कम हो जाएगी।

प्रश्न 9.
यदि जूते के उत्पादन पर सरकार उत्पादन शुल्क घटा दे, तो जूते की पूर्ति पर अल्पकाल में क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
अल्पकाल में उत्पादन शुल्क घटाने पर कुछ सीमा तक परिवर्तनशील साधनों की मात्रा बढ़ाकर जूतों की थोड़ी पूर्ति बढ़ाई जा सकती है।

प्रश्न 10.
पूर्ति का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
अन्य बातें समान रहने पर वस्तु की पूर्ति वह मात्रा है जो एक बाजार में किसी निर्धारित समय पर विभिन्न कीमतों पर विक्रय के लिए प्रस्तुत की जाती है।

प्रश्न 11.
पूर्ति के नियम का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
पूर्ति के नियम के अनुसार अन्य बातें समान रहने पर कीमत बढ़ने पर वस्तु की पूर्ति बढ़ती है तथा वस्तु की कीमत घटने पर पूर्ति घटती है।

प्रश्न 12.
बाजार पूर्ति वक्र किसे कहते हैं?
उत्तर:
बाजार पूर्ति वक्र वह निर्गत स्तर दर्शाता है जिसका बाजार में सभी फर्मैं समवर्ती विभिन्न बाजार मूल्यों पर सामूहिक रूप से उत्पादन करती हैं।

प्रश्न 13.
इकाई कर क्या है? इसके लगाने से पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
इकाई कर वह कर होता है, जो सरकार निर्गत के प्रति इकाई विक्रय पर लगाती है। इकाई कर लगाने से लागत में वृद्धि होती है जिससे पूर्ति की मात्रा कम हो जाती है।

प्रश्न 14.
उत्पादन बन्दी बिन्दु क्या है? अल्पकाल में एक फर्म कब उत्पादन बन्द कर देती है?
उत्तर:
उत्पादन बन्दी बिन्दु उत्पादन का वह स्तर है जिस पर फर्म उत्पादन बन्द कर देती है। यदि अल्पकाल में फर्म को औसत परिवर्ती लागत भी प्राप्त नहीं होती तो वह उत्पादन बन्द कर देती है।

प्रश्न 15.
पूर्ति में विस्तार से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
अन्य बातें समान रहने पर वस्तु की कीमत में वृद्धि होने से जब उत्पादक अधिक मात्रा की पूर्ति करते हैं तो इसे पूर्ति में विस्तार कहते हैं।

प्रश्न 16.
पूर्ति में संकुचन से आप क्या समझते
उत्तर:
अन्य बातें समान रहने पर वस्तु की कीमत में कमी होने पर जब उत्पादक वस्तु की कम मात्रा की पूर्ति करते हैं तो इसे पूर्ति में संकुचन कहते हैं।

प्रश्न 17.
पूर्ति में वृद्धि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
कीमत के स्थिर रहने पर जब किसी अन्य तत्त्व में परिवर्तन होने के फलस्वरूप पूर्ति मात्रा बढ़ जाती है तो इसे पूर्ति में वृद्धि कहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 18.
पूर्ति में कमी का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
कीमत के स्थिर रहने पर जब किसी अन्य तत्त्व में परिवर्तन होने के फलस्वरूप पूर्ति मात्रा कम हो जाती है तो इसे पूर्ति में कमी कहते हैं।

प्रश्न 19.
आगतों की कीमतों में परिवर्तन का वस्तु की पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
आगतों की कीमतों का वस्तु की पूर्ति पर प्रभाव पड़ता है। आगतों की कीमतों में वृद्धि होने पर वस्तु की पूर्ति में कमी एवं आगतों की कीमतों में कमी होने पर वस्तु की पूर्ति में वृद्धि होती है।

प्रश्न 20.
कीमत रेखा क्या है? पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म की कीमत रेखा कैसी होती है?
उत्तर:
कीमत रेखा, वह रेखा होती है जो कीमत एवं फर्म के निर्गत के मध्य सम्बन्ध दर्शाती है। पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत रेखा क्षैतिज अक्ष के समानान्तर होती है।

प्रश्न 21.
पूर्ति को प्रभावित करने वाले कोई दो तत्त्व बताइए।
उत्तर:

1. किसी वस्तु की पूर्ति उस वस्तु की कीमत पर निर्भर करती है।
2. वस्तु की पूर्ति उत्पादन साधनों की कीमत पर निर्भर करती है।

प्रश्न 22.
पूर्ति के नियम की कोई दो मान्यताएँ बताइए।
उत्तर:

1. उत्पादन साधनों की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।
2. उत्पादन की तकनीक में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

प्रश्न 23.
पूर्ति में वृद्धि के कोई दो कारण बताइए।
उत्तर:

1. यदि उत्पादन की तकनीक में सुधार हो तो पूर्ति में वृद्धि होगी।
2. यदि बाजार में फर्मों की संख्या में वृद्धि होती है तो पूर्ति में वृद्धि होती है।

प्रश्न 24.
साम्य कीमत तथा साम्य मात्रा का क्या अर्थ है?
उत्तर:
माँग एवं पूर्ति के साम्य बिन्दु पर पाई जाने वाली कीमत साम्य कीमत कहलाती है तथा माँग एवं पूर्ति के साम्य बिन्दु पर पाई जाने वाली मात्रा साम्य मात्रा कहलाती है।